



NEWSLETTER

शनिवार, 28 अक्टूबर 2023 | वॉल्यूम - 69

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE



सेबी ने कुछ कमोडिटी डेरिवेटिव्स में निलंबन दिसंबर 2024 तक बढ़ा दिया है

IMPORT & EXPORT UPDATE



GOLD : 61260
SILVER : 71802
CRUDE OIL : 7153

कपास प्रजातिओ की जानकारीयाँ



upland



pima



plant



BT cotton

कपास के बीजों की कई किस्में हैं जिन्हें विभिन्न बढ़ती परिस्थितियों के अनुरूप और कपास उद्योग की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दुनिया भर में विकसित और खेती की गई है। ये किस्में फाइबर की गुणवत्ता, उपज, रोग प्रतिरोधक क्षमता और अन्य विशेषताओं के मामले में भिन्न हो सकती हैं। कपास के बीज की कुछ प्रसिद्ध किस्मों में शामिल हैं:

अपलैंड कॉटन (गॉसिपियम हिर्सुटम): अपलैंड कॉटन सबसे व्यापक रूप से उगाई जाने वाली कपास की किस्म है। इसका उपयोग संयुक्त राज्य अमेरिका सहित दुनिया भर के विभिन्न कपास उत्पादक देशों में किया जाता है।

पिमा कॉटन (गॉसिपियम बार्बडेस): पिमा कॉटन, जिसे एक्स्ट्रा-लॉन्ग स्टेपल (ईएलएस) कॉटन के रूप में भी जाना जाता है, अपने असाधारण लंबे और मजबूत रेशों के लिए प्रसिद्ध है। इसका उपयोग अक्सर उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्रों में किया जाता है।

सी आइलैंड कॉटन (गॉसिपियम बारबाडेस): ईएलएस कपास की एक अन्य किस्म, सी आइलैंड कॉटन अपने रेशमी, महीन रेशों के लिए जानी जाती है। यह दक्षिणपूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य उपयुक्त क्षेत्रों में उगाया जाता है।

गीज़ा कॉटन: मुख्य रूप से मिस्र में उगाया जाने वाला, गीज़ा कॉटन अपनी उच्च फाइबर गुणवत्ता के लिए बेशकीमती है और इसका उपयोग लक्जरी वस्त्रों में किया जाता है।

डेल्टापाइन कपास: डेल्टा और पाइन लैंड कंपनी (अब मोनसेंटो का हिस्सा) द्वारा विकसित, डेल्टापाइन कपास की किस्में संयुक्त राज्य अमेरिका में व्यापक रूप से उपयोग की जाती हैं और अपनी अनुकूलनशीलता और उच्च उपज क्षमता के लिए जानी जाती हैं।

फाइबरमैक्स: फाइबरमैक्स कपास की किस्में अपनी उच्च फाइबर गुणवत्ता और उपज के लिए जानी जाती हैं। वे आमतौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में उगाये जाते हैं।

सिओक्रा कॉटन: सिओक्रा कॉटन अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उगाई जाने वाली एक किस्म है, जो सूखे के प्रति सहनशीलता और कुछ कीटों के प्रतिरोध के लिए जानी जाती है।

बीटी कपास: यह एक आनुवंशिक रूप से संशोधित किस्म है जो कपास के कुछ कीटों के लिए विषैला प्रोटीन पैदा करती है, जिससे रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता कम हो जाती है। यह विभिन्न देशों में व्यापक रूप से उगाया जाता है।

जैविक कपास: जैविक कपास सिंथेटिक कीटनाशकों या उर्वरकों के बिना उगाया जाता है, और इसकी विभिन्न किस्में जैविक कृषि पद्धतियों के अनुकूल हैं।

संकर कपास की किस्में: विभिन्न मूल किस्मों की ताकत, जैसे उच्च उपज क्षमता, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बेहतर फाइबर गुणवत्ता को संयोजित करने के लिए कई संकर कपास किस्मों को विकसित किया गया है।

कपास के बीज का विकास और प्रजनन जारी है, नई किस्में बनाने के प्रयास जारी हैं जो अधिक लचीली, उत्पादक और पर्यावरण के अनुकूल हैं। किस्म का चुनाव स्थानीय जलवायु, मिट्टी की स्थिति और कपास किसान या कपड़ा निर्माता के विशिष्ट लक्ष्यों जैसे कारकों पर निर्भर करता है।

काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 28.10.2023

ICE COTTON

MONTH	20.10.23	27.10.23	WEEKLY CHANGE
DEC	82.4	84.38	1.98
MARCH	84.53	86.13	1.6
MAY	85.68	86.98	1.3

MCX (COTTON)

NOV	58400	59100	700
JAN	59180	59800	620

NCDEX (KAPAS)

APRIL	1604	1645	41
-------	------	------	----

NCDEX (COCUD KHAL)

DEC	2733	2907	174
JAN	2705	2868	163
FEB	2706	2880	174

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775

CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.12	83.24	0.12
PAK (Pakistani Rupee)	278.405	280.325	1.92
CNY (Chinese yuan)	7.29646	7.31735	0.02089
BRAZIL (Real)	5.30443	5.01520	-0.28923
AUSTRALIAN Dollar	1.58371	1.57990	-0.00381
MALAYSIAN RINGGITS	4.7679	4.77785	0.00995

COTLOOK "A" INDEX	94.95	95.00	0.05
BRAZIL COTTON INDEX	79.68	78.91	-0.77
USDA SPOT RATE	77.11	79.56	2.45
MCX SPOT RATE	57780	58440	660
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16000	17000	1000

GOLD (\$)	1993.10	2016.30	23.2
SILVER (\$)	23.532	23.245	-0.287
CRUDE (\$)	88.29	85.16	-3.13

काँटन पर अमेरिकी निर्यात बिक्री मजबूत होने से पिछले आठ सप्ताह में से सबसे अच्छा सप्ताह होने की उम्मीद है अक्टूबर माह के तीसरे सप्ताह इंटरनेशनल काँटन मार्केट में तेज़ी देखने को मिली।

इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए काँटन के भाव क्रमशः 1.98, 1.60 और 1.30 सेंट तक बढ़े। भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर काँटन के दाम में भी बढ़त देखी गई। नवंबर और जनवरी माह के सौदे के भाव में क्रमशः 700 और 620 रुपये प्रति कैंडी की बढ़त आयी।

एनसीडीईएक्स पर कपास के भाव 41 रुपये प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव में क्रमशः दिसंबर और जनवरी-24 और फरवरी माह में 174, 163 और 174 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त हुई।

अन्य देशों के काँटन मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स में 0.05 सेंट की मामूली बढ़त आयी, यूएसडीए स्पॉट रेट 2.45 सेंट बढ़ा और एमसीएक्स स्पॉट रेट में 660 रुपये प्रति कैंडी की तेज़ी हुई, वहीं ब्राजील काँटन इंडेक्स पर 0.77 अंक की गिरावट दर्ज की गई है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताह अंत तक 1000 रुपये तक भाव बढ़े।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES
ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL
CALL : 91119 77775

STATE	23.10.23	24.10.23	25.10.23	26.10.23	27.10.23	28.10.23
PUNJAB	1,500	1,500	1,500	2,000	2,000	2,000
HARYANA	6,000	7,000	6,000	7,000	7,000	7,000
UPPER RAJASTHAN	9,000	5,000	6,000	9,000	9,000	9,000
LOWER RAJASTHAN	8,000	8,000	8,000	8,000	8,000	8,000
NORTH ZONE	24,500	21,500	21,500	26,000	26,000	26,000
GUJRAT	26,000	15,000	29,000	27,000	30,000	26,000
MAHARASHTRA	5,000	5,000	5,000	7,000	8,000	7,000
MADHYA PRADESH	3,000	2,000	4,000	8,000	8,000	3,500
CENTRAL ZONE	34,000	22,000	38,000	42,000	46,000	36,500
KARNATAKA	5,000	3,000	3,000	4,000	5,000	6,000
TELANGANA	1,500	500	4,500	8,000	6,000	6,000
ANDHRA PRADESH	1,500	500	1,500	3,500	3,000	3,500
TAMILNADU	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
SOUTH ZONE	9,000	5,000	10,000	16,500	15,000	16,500
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	67,500	48,500	69,500	84,500	87,000	79,000



POONAM ENGINEERING WORKS

| All Pulses Dali Mill are Manufacturing | Grain Cleaning Plant,
 | Besan Plant | Chakki Aata Plant | Industrial Dust Collector etc.

COTTON SEED DRYERS



COTTON SEED DRYER

- Hot air generating system is designed specifically for mass industries auto dryer of pulses.
- It's superior design, efficient performance and high fuel economy makes it a better buy than any other heater drier of its kind to achieve much lower drying cost.
- The unit is easy to install.
- Simple to maintain and highly economical to operate.
- It's capacities 2 TPH to 10 TPH.

Models	PEWDY - 1	PEWDY - 2	PEWDY - 3	PEWDY - 4	PEWDY - 5
Capacity	2 TPH	4 TPH	5 TPH	6 TPH	8 TPH
Power	11.5 HP	16 HP	21 HP	29.5 HP	37 HP
L x W x H	1400 X 1400 X 4000 1800 X 1270 X 1550	1850 X 1850 X 4500 3150 X 1270 X 1800	1850 X 1850 X 4500 3750 X 1270 X 1800	2450 X 2320 X 4500 4350 X 1270 X 1800	2450 X 2320 X 4500 4950 X 1400 X 2150

Plot No. N-243 & N-246 MIDC Phase 4, Near Yevta Square, Akola Growth Center, Shivapur, Akola, Dist. Akola - MH (INDIA) - 444 104

Mob.: +91 9766477484, +91 9730003529 Office No.: 0724-2991484

Web : www.poonamengworks.in | Email : poonamengworks4@gmail.com | Customer Care No. : +91 9371007484

सेबी ने कुछ कमोडिटी डेरिवेटिव्स में निलंबन दिसंबर 2024 तक बढ़ा दिया है



भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
Securities and Exchange Board of India



बाजार नियामक ने कुछ कमोडिटी डेरिवेटिव्स में ट्रेडिंग पर निलंबन को दिसंबर 2024 तक बढ़ा दिया है।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने 19 दिसंबर, 2021 को कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट वाले स्टॉक एक्सचेंजों को कमोडिटी - धान, गेहूं, चना, सरसों के बीज और इसके डेरिवेटिव, सोयाबीन में डेरिवेटिव अनुबंधों में व्यापार को निलंबित करने के निर्देश जारी किए थे। और इसके डेरिवेटिव, कच्चे पाम तेल और मूंग - एक वर्ष के लिए।

यह कुछ राज्यों के चुनावों के समय, मुद्रास्फीति की चिंताओं पर किया गया था। नवंबर में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 14.23 प्रतिशत हो गई थी। अप्रैल से शुरू होकर लगातार आठ महीनों तक सूचकांक दोहरे अंक में रहा, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें थीं।

इसके बाद, निलंबन को दिसंबर 2022 से आगे एक साल के लिए बढ़ाकर दिसंबर 2023 तक कर दिया गया।

निलंबन के विस्तार पर सेबी की एक नवीनतम प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, "उक्त निर्देशों की निरंतरता में, उपरोक्त अनुबंधों में व्यापार में निलंबन को 20 दिसंबर, 2023 से आगे एक वर्ष के लिए यानी 20 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।"

2022 में, आईआईएम उदयपुर, जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी और यूनिवर्सिटी कैलॉस III डी मैट्रिड के शोधकर्ताओं की एक टीम ने लिखा था कि सेगमेंट में डेरिवेटिव पर प्रतिबंध लगाना व्यर्थ है।

उन्होंने लिखा, "इस बात का कोई सबूत नहीं है कि डेरिवेटिव ट्रेडिंग के कारण कीमतें बढ़ें या निलंबन का मूल्य परिवर्तनशीलता को कम करने में कोई प्रभाव पड़ा। बल्कि, सभी तेलों के मूल्य स्तर में गिरावट देखी गई, भले ही उनकी डेरिवेटिव ट्रेडिंग स्थिति कुछ भी हो। मूल्य वृद्धि आम तौर पर अंतर्निहित मांग और आपूर्ति कारकों पर आधारित होती है, जैसा कि पहले के अध्ययनों में देखा गया है।

शोधकर्ताओं ने कहा, "कमोडिटी स्पॉट और डेरिवेटिव मार्केट्स (2018) के एकीकरण पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में यह भी तर्क दिया गया है कि पूर्ण प्रतिबंध घरेलू डेरिवेटिव बाजारों में प्रतिभागियों के विश्वास को कम करते हैं। पिछले निलंबन के साक्ष्य से पता चलता है कि एक बार जब किसी अनुबंध पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है या निलंबित कर दिया जाता है, तो प्रतिबंध हटने के बाद व्यापारिक गतिविधि को प्रतिबंध-पूर्व स्तर पर भी वापस लाना मुश्किल होता है। बाजार सहभागियों के पास अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों पर अपने जोखिमों से बचाव करने का एक आसान विकल्प है, जहां ऐसी कोई नियामक अनिश्चितता मौजूद नहीं है।



NEWS OF THE WEEK

तमिलनाडु सरकार ने छह मिनी टेक्सटाइल पार्कों को मंजूरी दी

तमिलनाडु सरकार के कपड़ा आयुक्त एम. वल्लालर ने द हिंदू को बताया कि इस योजना के लिए कम से कम 100 अभिरुचि पत्र प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा, "हमने उस योजना में जान डाल दी है जो 2015 से निष्क्रिय थी। यह अब गति पकड़ना शुरू कर देगी।"

कपास, सोया के रेट ने किसानों को किया परेशान

नागपुर: कपास के लिए दशहरा 'मुहूर्त' सौदा - खरीद के मौसम की शुरुआत का एक प्रतीकात्मक संकेत - किसानों के लिए निराशा के रूप में आया है। उत्पादकों को दी जाने वाली शुरुआती दर 6,800 रुपये से 7,000 रुपये प्रति क्विंटल के बीच है, जो लंबे स्टेपल कपास के लिए निर्धारित 7020 रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से थोड़ा कम है।

कताई मिलें धीमी मांग और कपास की बढ़ती कीमतों से जूझ रही हैं

अहमदाबाद: गुजरात में कताई मिलें खुद को संकट में पाती हैं, बढ़ती लागत और अपने उत्पादों के प्रति घटती भूख से जूझ रही हैं, चाहे वह घरेलू मैदान हो या विदेशी बाजार। हालांकि कपास की कीमतें थोड़ी कम हुई हैं, फिर भी वे अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों की तुलना में ऊंची बनी हुई हैं।

अबोहर की अनाज मंडी पर किसानों ने लगाया ताला

बठिंडा: पिछले तीन दिनों से कच्चे कपास की खरीद नहीं होने से नाराज किसानों ने दशहरे के दिन अबोहर शहर की अनाज मंडी में ताला लगा दिया और फाजिल्का रोड पर यातायात भी बाधित कर दिया। किसानों ने आढ़तियों (कमीशन एजेंटों) पर जानबूझकर खरीद के लिए आगे नहीं आने का आरोप लगाया।

सीसीआई में कपास खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन शुरू हो गया है

भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने इस सीजन में कपास खरीदने के लिए किसानों का पंजीकरण शुरू कर दिया है। चालू सीजन में विदर्भ के आठ जिलों के 33 खरीद केंद्रों पर किसानों का पंजीकरण शुरू कर दिया गया है। इस वर्ष सीसीआई लंबे धागे के लिए 7,020 रुपये प्रति क्विंटल और मध्यम धागे के लिए 6,620 रुपये प्रति क्विंटल की दर देगी।


कॉटन फिजिकल मार्केट अक्टूबर माह के आखरी सप्ताह कॉटन के भाव में तेजी का माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेजी वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ झोन में बढ़त देखी गई।

नार्थ झोन में हरयाणा और अपर राजस्थान में 10 और 25 रुपए प्रति मंड की बढ़त देखी गई, पंजाब स्थिर रहा।

वही सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश में 1500 और महाराष्ट्र राज्य में 200 रुपए प्रति कैंडी की तेजी देखने को मिली, गुजरात 800 रुपय प्रति कैंडी भाव गिरे।

साउथ झोन मार्केट में भी तेजी जारी रही। तेलंगाना में 500 रुपए प्रति कैंडी तक की बढ़त देखी जबकि ओडिशा पिछले सप्ताह के मुकाबले स्थिर रहा। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 1000 रुपय प्रति कैंडी की गिरावट आयी।



SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77775

DATE: 28.10.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	23.10.23		28.10.23		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,650	5,775	5,650	5,775	0
HARYANA	27.5/28	5,640	5,640	5,650	5,650	10
UPER RAJASTHAN	28	5,450	5,650	5,525	5,675	25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,200	57,400	57,800	58,200	800
MADHYA PRADESH	29	56,500	57,000	58,000	58,500	1,500
MAHARASHTRA	29 vid.	57,000	57,800	57,000	58,000	200
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE (OLD)						
ODISHA	29.5+	59,300	59,400	59,300	59,400	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	57,500	58,000	58,500	59,000	1,000
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	57,500	58,000	58,500	59,000	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,000	58,000	58,000	58,500	500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy



NEWSLETTER

Saturday, 28 October 2023 | Volume - 69

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE



Sebi extends suspension in certain commodity derivatives till December 2024

IMPORT & EXPORT UPDATE



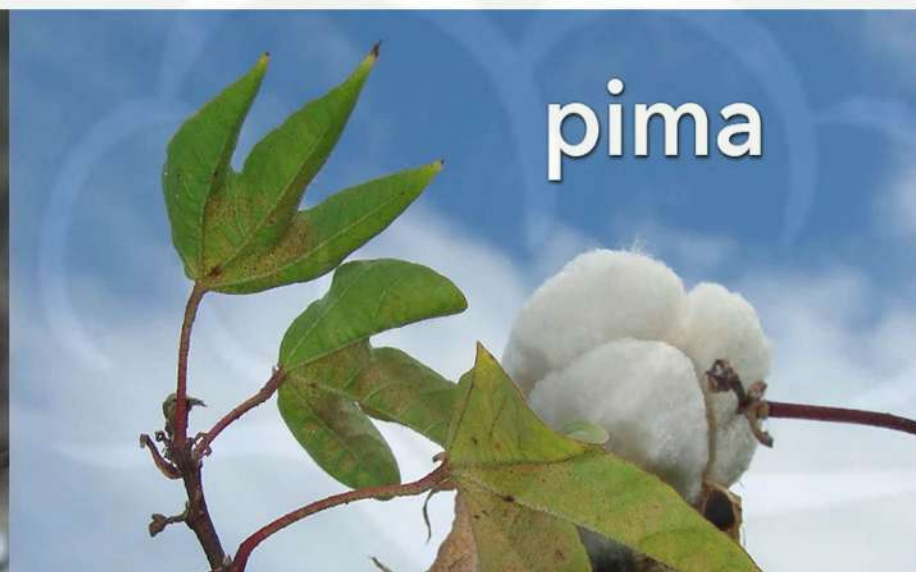
GOLD : 61260
SILVER : 71802
CRUDE OIL : 7153

Cotton species information

upland



pima



plant



BT cotton



There are many varieties of cotton seeds that have been developed and cultivated around the world to suit different growing conditions and meet the specific needs of the cotton industry. These varieties may vary in terms of fiber quality, yield, disease resistance and other characteristics. Some of the famous varieties of cotton seeds include:

Upland cotton (*Gossypium hirsutum*): Upland cotton is the most widely grown cotton variety. It is used in various cotton producing countries around the world including the United States.

Pima cotton (*Gossypium barbadense*): Pima cotton, also known as extra-long staple (ELS) cotton, is renowned for its exceptionally long and strong fibers. It is often used in high quality textiles.

Sea Island Cotton (*Gossypium Barbadense*): Another variety of ELS cotton, Sea Island Cotton is known for its silky, fine fibers. It is grown in the Southeastern United States and other suitable areas.

Giza Cotton: Grown primarily in Egypt, Giza cotton is prized for its high fiber quality and is used in luxury textiles.

Delta pine Cotton: Developed by Delta and Pine Land Company (now part of Monsanto), Deltapine cotton varieties are widely used in the United States and are known for their adaptability and high yield potential.

Fibermax: Fibermax cotton varieties are known for their high fiber quality and yield. They are commonly grown in the United States.

Siocra Cotton: Siocra cotton is a variety grown in parts of Africa, known for its tolerance to drought and resistance to certain pests.

BT cotton: This is a genetically modified variety that produces proteins toxic to certain cotton pests, reducing the need for chemical pesticides. It is widely grown in various countries.

Organic Cotton: Organic cotton is grown without synthetic pesticides or fertilizers, and its different varieties are compatible with organic farming practices.

Hybrid cotton varieties: Many hybrid cotton varieties have been developed to combine the strengths of different parent varieties, such as higher yield potential, disease resistance and better fiber quality.

Cotton seed development and breeding continues, with efforts underway to create new varieties that are more resilient, productive, and environmentally friendly. The choice of variety depends on factors such as local climate, soil conditions and the specific goals of the cotton farmer or textile manufacturer.

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 28.10.2023

ICE COTTON

MONTH	20.10.23	27.10.23	WEEKLY CHANGE
DEC	82.4	84.38	1.98
MARCH	84.53	86.13	1.6
MAY	85.68	86.98	1.3

MCX (COTTON)

NOV	58400	59100	700
JAN	59180	59800	620

NCDEX (KAPAS)

APRIL	1604	1645	41
-------	------	------	----

NCDEX (COCUD KHAL)

DEC	2733	2907	174
JAN	2705	2868	163
FEB	2706	2880	174

SMART INFO SERVICE

CALL : 91119 77775

CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.12	83.24	0.12
PAK (Pakistani Rupee)	278.405	280.325	1.92
CNY (Chinese yuan)	7.29646	7.31735	0.02089
BRAZIL (Real)	5.30443	5.01520	-0.28923
AUSTRALIAN Dollar	1.58371	1.57990	-0.00381
MALAYSIAN RINGGITS	4.7679	4.77785	0.00995

COTLOOK "A" INDEX

BRAZIL COTTON INDEX	79.68	78.91	-0.77
USDA SPOT RATE	77.11	79.56	2.45
MCX SPOT RATE	57780	58440	660
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16000	17000	1000

GOLD (\$)

SILVER (\$)	23.532	23.245	-0.287
CRUDE (\$)	88.29	85.16	-3.13

Due to strong US export sales on cotton, this week is expected to be the best among the last eight weeks. International cotton market saw a rise in the third week of October.

International Cotton Exchange's cotton prices for December 23, March 24 and May 24 months increased by 1.98, 1.60 and 1.30 cents respectively.

An increase was also seen in the price of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. The deal prices for the months of November and January increased by Rs 700 and Rs 620 per candy respectively.

On NCDEX, cotton prices increased by Rs 41 per 20 kg, while the price of Khal increased by Rs 174, 163 and 174 per quintal in the months of December, January-24 and February respectively.

If we look at the cotton market of other countries, there was a slight increase of 0.05 cents in Cotlook "A" index, USDA spot rate increased by 2.45 cents and MCX spot rate increased by Rs 660 per candy, while Brazil cotton index increased by 0.77 points. A decline has been recorded. At Pakistan's KCA spot rate, prices increased by Rs 1000 by the end of the week.

This week's cotton arrivals in major cotton producing states

SMART INFO SERVICES
ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL
CALL : 91119 77775

STATE	23.10.23	24.10.23	25.10.23	26.10.23	27.10.23	28.10.23
PUNJAB	1,500	1,500	1,500	2,000	2,000	2,000
HARYANA	6,000	7,000	6,000	7,000	7,000	7,000
UPPER RAJASTHAN	9,000	5,000	6,000	9,000	9,000	9,000
LOWER RAJASTHAN	8,000	8,000	8,000	8,000	8,000	8,000
NORTH ZONE	24,500	21,500	21,500	26,000	26,000	26,000
GUJRAT	26,000	15,000	29,000	27,000	30,000	26,000
MAHARASHTRA	5,000	5,000	5,000	7,000	8,000	7,000
MADHYA PRADESH	3,000	2,000	4,000	8,000	8,000	3,500
CENTRAL ZONE	34,000	22,000	38,000	42,000	46,000	36,500
KARNATAKA	5,000	3,000	3,000	4,000	5,000	6,000
TELANGANA	1,500	500	4,500	8,000	6,000	6,000
ANDHRA PRADESH	1,500	500	1,500	3,500	3,000	3,500
TAMILNADU	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
SOUTH ZONE	9,000	5,000	10,000	16,500	15,000	16,500
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	67,500	48,500	69,500	84,500	87,000	79,000



POONAM ENGINEERING WORKS

| All Pulses Dall Mill are Manufacturing | Grain Cleaning Plant,
| Besan Plant | Chakki Aata Plant | Industrial Dust Collector etc.

COTTON SEED DRYERS



COTTON SEED DRYER

- Hot air generating system is designed specifically for mass industries auto dryer of pulses.
- It's superior design, efficient performance and high fuel economy makes it a better buy than any other heater drier of its kind to achieve much lower drying cost.
- The unit is easy to install.
- Simple to maintain and highly economical to operate.
- It's capacities 2 TPH to 10 TPH.

Models	PEWDY - 1	PEWDY - 2	PEWDY - 3	PEWDY - 4	PEWDY - 5
Capacity	2 TPH	4 TPH	5 TPH	6 TPH	8 TPH
Power	11.5 HP	16 HP	21 HP	29.5 HP	37 HP
L x W x H	1400 X 1400 X 4000 1800 X 1270 X 1550	1850 X 1850 X 4500 3150 X 1270 X 1800	1850 X 1850 X 4500 3750 X 1270 X 1800	2450 X 2320 X 4500 4350 X 1270 X 1800	2450 X 2320 X 4500 4950 X 1400 X 2150

Plot No. N-243 & N-246 MIDC Phase 4, Near Yevta Square, Akola Growth
Center, Shivapur, Akola, Dist. Akola - MH (INDIA) - 444 104

Mob.: +91 9766477484, +91 9730003529 Office No. : 0724-2991484

Web : www.poonamengworks.in | Email : poonamengworks4@gmail.com | Customer Care No. : +91 9371007484

SEBI extends suspension in certain commodity derivatives till December 2024



भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
Securities and Exchange Board of India



The market regulator has extended the suspension in trading in certain commodity derivatives till December 2024.

The Securities and Exchange Board of India (Sebi) on December 19, 2021 had issued directions to stock exchanges having commodity derivatives segment to suspend trading in derivative contracts in the commodities--paddy, wheat, chana, mustard seeds and its derivatives, soya bean and its derivatives, crude palm oil and moong—for a year.

This was done on inflation concerns, around the time of a few state elections. That November wholesale inflation had spiked to 14.23 percent. The index had remained in double digits for eight consecutive months beginning in April, mainly because of surging prices of food items.

Thereafter, the suspension was extended for one more year, beyond December 2022, to December 2023.

A latest press release from Sebi on the extension of the suspension said, “In continuation of the said directions, the suspension in trading in the above contracts has been extended for one more year beyond December 20, 2023 i.e. till December 20, 2024.”

In 2022, a team of researchers from IIM Udaipur, Jindal School of Government and Public Policy and Universidad Carlos III de Madrid had written that banning derivatives in the segment is futile.

They wrote, “there is no evidence that derivatives trading led to higher prices or that the suspension had any effect in bringing down price variability. Rather, the decline in price levels was observed across all oils, irrespective of their derivatives trading status. Price surges are typically rooted in the underlying demand and supply factors, as observed in earlier studies.”

The researchers added, “The Report of the Expert Committee on Integration of Commodity Spot and Derivatives Markets (2018) also argued that outright bans erode the confidence of participants in the domestic derivatives markets. Evidence from past suspensions shows that once a contract is banned or suspended, it is difficult to bring back trading activity to even the pre-ban levels once the ban is revoked. Market participants have an easy choice to hedge their risks on international exchanges, where no such regulatory uncertainty exists.”



NEWS OF THE WEEK

Tamil Nadu government approves six mini textile parks

M. Vallalar, Textiles Commissioner, Tamil Nadu government, told The Hindu that at least 100 expressions of interest had been received for the scheme. "We have given life to the scheme which was dormant since 2015. It will now start gaining momentum," he said.

Cotton, soya rates troubled farmers.

NAGPUR: The Dussehra 'muhurat' deal for cotton - a symbolic signal of the beginning of the procurement season - has come as a disappointment for farmers. The initial rate offered to growers is between Rs 6,800 and Rs 7,000 per quintal, slightly lower than the minimum support price (MSP) of Rs 7020 set for long staple cotton.

Spinning mills grapple with slow demand and rising cotton prices.

AHMEDABAD: Spinning mills in Gujarat find themselves in trouble, grappling with rising costs and declining appetite for their products, be it domestically or in the overseas market. Although cotton prices have declined slightly, they still remain high compared to their international counterparts.

Farmers locked the grain market of Abohar

Bathinda: Angered by the non-purchase of raw cotton for the last three days, farmers locked the grain market of Abohar city on the day of Dussehra and also disrupted traffic on Fazilka Road. Farmers accused the arhtiyas (commission agents) of deliberately not coming forward for purchase

Registration of farmers has started for purchasing cotton in CCI.

Cotton Corporation of India (CCI) has started registration of farmers to buy cotton this season. In the current season, registration of farmers has been started at 33 procurement centers in eight districts of Vidarbha. This year CCI will give a rate of Rs 7,020 per quintal for long yarn and Rs 6,620 per quintal for medium yarn.


Cotton Physical Market: There was a bullish trend in cotton prices in the last week of October.

This week was bullish for the cotton physical market. Growth was seen in North, Central and South zones.

In the North Zone, Haryana and Upper Rajasthan saw an increase of Rs 10 and Rs 25 per maund, while Punjab remained stable.

In the central zone, Madhya Pradesh saw a rise of Rs 1500 per candy and in Maharashtra state, the price fell by Rs 200 per candy, while in Gujarat the price fell by Rs 800 per candy.

The rise in the South Zone market also continued. Telangana saw a rise of up to Rs 500 per candy while Odisha remained stable compared to the previous week. It fell by Rs 1000 per candy in Karnataka and Andhra Pradesh.



SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77775

DATE: 28.10.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	23.10.23		28.10.23		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,650	5,775	5,650	5,775	0
HARYANA	27.5/28	5,640	5,640	5,650	5,650	10
UPER RAJASTHAN	28	5,450	5,650	5,525	5,675	25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,200	57,400	57,800	58,200	800
MADHYA PRADESH	29	56,500	57,000	58,000	58,500	1,500
MAHARASHTRA	29 vid.	57,000	57,800	57,000	58,000	200
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE (OLD)						
ODISHA	29.5+	59,300	59,400	59,300	59,400	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	57,500	58,000	58,500	59,000	1,000
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	57,500	58,000	58,500	59,000	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,000	58,000	58,000	58,500	500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy